

शाखदार वि. (तत्+फा) शाखायुक्त, शाखावाला, जिससे शाखाएँ निकली हो 2. सींग वाला पशु।

शाखा स्त्री. (तत्.) 1. पेड़ की डाल, डाली 2. शरीर के अवयव, भाग, भेद 3. ग्रंथ परिच्छेद, अध्याय 4. पक्षांतर, प्रतिपक्ष 5. किसी दर्शन, शास्त्र आदि का भाग, संप्रदाय 6. किसी ऋषि के नाम पर उसके वंशजों या शिष्यों द्वारा परंपरा के रूप में चलाया जाने वाला संप्रदाय, गोत्र के साथ शाखा का नाम भी लिया जाता है 7. दरवाजे की चौखट।

शाखा चक्रमण पुं. (तत्.) 1. एक डाल से दूसरे डाल पर कूदना 2. हाथ में लिए किसी काम को पूरा किए बिना ही दूसरे काम पर लग जाना 3. कार्य व्यवस्थित रूप से न करना।

शाखाचंद्र न्याय पुं. (तत्.) 1. अवास्तविक वस्तु 2. किसी घटना को सत्य मान लेने पर कही जाने वाली उक्ति जैसे- किसी स्थान से देखने पर ऐसा लगता है कि चन्द्रमा किसी वृक्ष पर लगा है, जबकि ऐसा नहीं होता 3. दृष्टिभ्रम।

शाखानगर पुं. (तत्.) उपनगर, किसी नगर के बाद या पास बना दूसरा छोटा-नगर।

शाखापित्त पुं. (तत्.) हाथ-पैर में जलन पैदा करने वाला एक रोग।

शाखापुर पुं. (तत्.) शाखानगर, उपनगर।

शाखापुष्पी वि. (तत्.) जिसकी शाखा से अनेक पुष्प निकले हों, बहुपुष्पी।

शाखामृग पुं. (तत्.) 1. वानर, बंदर 2. गिलहरी।

शाखायित वि. (तत्.) शाखाओं वाला, अनेक शाखाओं से भरा।

शाखारंड पुं. (तत्.) अन्य शाखा वाला, वेद की अपनी शाखा को छोड़कर दूसरे की शाखा का अध्येता, शाखाभ्रष्ट।

शाखालंबी वि. (तत्.) वृक्ष की शाखा में लटका हुआ या लटकने वाला।

शाखावात पुं. (तत्.) एक प्रकार का वात रोग।

शाखाशिखा स्त्री. (तत्.) पेड़ की डाल से निकल कर जमीन की ओर जाने वाली जटा जैसे- वटवृक्ष की जटाएँ।

शाखासाना पुं. (फा.) 1. झगड़ा, बहस, दोष 2. बात का पहलू 3. ईरान में फकीरों का एक वर्ग जो अपने आप को घायल कर लेने की धमकी देकर लोगों से पैसा वसूलते हैं।

शाखिका स्त्री. (तत्.) चिकि. छोटी शाखा, तंत्रिका कोश (न्यूरोन) के एक छोर पर निकली छोटी-छोटी शाखाएँ जो उद्दीपन को ग्रहण करती हैं।

शाखी वि. (तत्.) 1. शाखाओं वाला 2. वृक्ष, वेद 3. वेद की किसी शाखा का अधिकारी, अनुयायी।

शाखीशिरा स्त्री (तत्.) शिरा तंत्र, शिराओं का जाल।

शाखोच्चार पुं. (तत्.) पाणिग्रहण (विवाह) के समय वर और कन्या पक्ष के पुरोहितों द्वारा वर और कन्या पक्षों का परिचय देना जिसमें उनके गोत्र, शाखा, जाति एवं प्रपितामह, पितामह, पिता आदि का नाम पूछा और बताया जाता है।

शाखोट/शाखोटक पुं. (तत्.) सिहोर का पेड़, सेंहुड़, सिहोड़, शाखोट टि. झाड़दार पेड़ जिसके पत्ते हल्के पीले रंग के होते हैं, जिनकी आकृति गूलर के पत्तों की तरह होती है और उन्हें तोड़ने पर सफेद रंग का दूध निकलता है।

शाख्य वि. (तत्.) शाखीय, शाखा संबंधी।

शागिर्द पुं. (फा.) शिष्य, चेला, विद्यार्थी, प्रशिक्षणार्थी।

शागिर्दी फा.स्त्री. शिष्यत्व, शिष्य बनने की क्रिया, भाव।

शाचिव पुं./वि. (तत्.) 1. प्रबल, शक्तिशाली 2. प्रसिद्ध 3. जौ जिसका छिलका या भूसी कूटकर निकाल दी गई हो।

शाज वि. (अर.) 1. दुर्लभ 2. अद्भुत, अनोखा।

शाट पुं. (तत्.) 1. कपड़े का टुकड़ा 2. कमर में पहना जाने वाला कपड़ा जैसे- धोती, तहमद आदि 3. एक प्रकार की कुश्ती 4. ढीला ढाला वस्त्र।

शाटक पुं. (तत्.) वस्त्र, कपड़ा।